

पाठ—10 पांडवों की रक्षा

विदुर द्वारा उस गुफा का रहस्य युधिष्ठिर को सांकेतिक भाषा में समझा दिया गया ।

वारणावत के लोगों ने पांडवों के आगमन की खबर सुनकर उनके स्वागत में खड़े हो गए ।

युधिष्ठिर ने भीम को सावधान करते हुए उस गुफा का रहस्य बता दिया ।

विदुर ने सुरंग बनाने वाले कारीगर को भेजकर पांडवों के लिए एक सुरक्षित सुरंग बनवाई जिससे वह उसमें से आसानी से बाहर निकल सकें।

पांडवों को उस सुरंग से सुरक्षित बाहर निकालने के लिए भीम ने उस गुफा में जगह—जगह आग लगा दी

धृतराष्ट्र एवं उसके पुत्रों ने यह समाचार सुनकर पांडवों की मृत्यु पर शोक जताया और विदुर द्वारा भीष्म को धीरज बंधाया गया कि वे सुरक्षित हैं।

विदुर ने पांडवों को एक सुरक्षित स्थान पर जाने हेतु एक नाव भेजी ।

ब्रह्मचारियों का वेश धरकर पांडवों ने एकचक्रा नगरी में एक ब्राह्मण के घर विश्राम किया ।

एकचक्रा नगरी में पांडवों ने भिक्षा माँगकर भोजन की व्यवस्था की ।

कुंती के कहने पर भीम बकासुर के यहाँ
भोजन—सामग्री लेकर गए ।

वहाँ पर भीम और बकासुर का युद्ध हुआ और
अंततः भीम ने बकासुर का वध कर दिया ।